कानपुर, शनिवार 27 नवम्बर, 2021
** नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रुपया
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज
कानपुर (झांसी) | लखनऊ
आगरा | बरेली | पटना
रांची (धनवाद संस्करण)
जमशेदपुर
online Edition
www.ajhindidaily.com
आज

तापमान
अधिकतम 26.7 डि.से.
न्यूनतम 14.9 डि.से.
आर्द्रता- 85-16%

10 पीवी सिंधु
इण्डोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

स्वरा भास्कर 12
घर पर गूंजेंगी किलकारी

संविधान दिवस के साथ जलवायु परिवर्तन एवं दुग्ध उेत्पादन पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व अन्य। छाया-आज

(आज समाचार सेवा)

झांसी, 26 नवम्बर। भारत की आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आज संविधान दिवस के अवसर पर केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी में एक आयोजित कार्यक्रम में कार्यरत सभी कर्मियों द्वारा भारत के संविधान के प्रस्तावना का पाठन किया गया एवं इसमें उल्लेखित उद्देश्यों पर चर्चा के साथ-साथ एक संविधान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की गयी। आज का दिन भारत में श्वेत क्रान्ति के जनक डॉ. वी. कुरियन की 100 वीं जन्म जयन्ती के सम्मान में दुग्ध दिवस के रूप में भी मनाया गया तथा जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में 'कृषि एवं पर्यावरण -नागरिकों का दृष्टिकोण' विषय पर वैज्ञानिक चर्चा की गई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित उद्देश्यों को सभी नागरिकों को आत्मसात करना होगा तथा इनकी पूर्ति हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। बदलती जलवायु के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा कि आज सतत् कृषि उत्पादन एवं पर्यावरण सुरक्षा के समक्ष नई-नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं तथा इनका सामना नई एवं उन्नत तकनीकों को विकसित करके ही किया जा सकता है। कृषि वैज्ञानिकों को जलवायु अनुगामी तकनीकों का विकास नागरिकों विशेषकर कृषकों के दृष्टिकोण को समझ कर करना होगा। कृषिवानिकी के महत्व को रेखांकित करते हुये उन्होंने कहा कि खेतों में फसलों के साथ-साथ विभिन्न बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों को रोपित करने से विभिन्न उत्पाद- लकड़ी, चारा फल इत्यादि जलवायु परिवर्तन से होने वाले जोखिम को कम करते हैं, जिससे कृषि उत्पादकता का सतत् विकास संभव है। इसी क्रम में दुग्ध उत्पादन पर चर्चा करते हुये उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व में दूध पैदा करने में प्रथम स्थान पर है तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भी दूध उत्पादन बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। ग्रासलैण्ड के पशुपालन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में दुग्ध उत्पादन संबंधी विभिन्न जटिलताओं एवं संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुये प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता एवं दूध को सम्पूर्ण भोजन होने की जानकारी दी।

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संस्थान जलवायु परिवर्तन के बारे में लोंगो में जागरूकता पैदा करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम करता रहता है तथा राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर राजकीय इण्टर कॉलेज झाँसी के विद्यार्थियों के साथ कृषि एवं पर्यावरण विषय पर एक परिचर्चा की गई जिसमें शिक्षकों एवं छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. बद्रे आलम ने जलवायु परिवर्तन-कृषि एवं पर्यावरण में नागरिक दृष्टिकोण विषय पर विशेष चर्चा करते हुये बताया कि कृषिवानिकी भू-उपयोग की एक ऐसी प्रणाली है जो बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जीवनयापन के लिए एक वैकल्पिक साधन के रूप में विकसित की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने अन्न उत्पादन की अहमियत के संबंध में कहा कि नागरिकों को किसी भी प्रकार का खाना व्यर्थ नहीं करना चाहिये एवं अन्न का सुदुपयोग करना आवश्यक है।

कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान के प्रस्तावना का पाठन करवाया एवं संविधान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेताओं के नाम बताये जिन्हें निदेशक महोदय के कर-कमलों द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरूस्कार दिये गये। संचालन डॉ. सुशील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नरेश कुमार ने किया।